भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1755
13 फरवरी, 2026 को जवाब दिया

जिला-आधारित वस्त्र परिवर्तन पहल

1755. श्री नरहरी अमीन:
श्री शंभू शरण पटेल:
श्री मदन राठौड़:
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्रीमती माया नारोलिया:
श्री रायगा कृष्णैया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या जिला-आधारित वस्त्र परिवर्तन (डीएलटीटी) का उद्देश्य जिला-वार दृष्टिकोण के अंतर्गत क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित करना है;

(ख) यदि हां, तो डेटा-आधारित स्कोरिंग प्रणाली किस प्रकार यह सुनिश्चित करती है कि पारंपरिक हस्तशिल्प समूह बड़े औद्योगिक केंद्रों से पीछे न रह जाएं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों तथा मेगा कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स (सीएफसी) के माध्यम से 100 उच्च-संभावनाशील अग्रणी जिलों के उन्नयन की समय-सीमा क्या है; और

(घ) पूर्वोदय योजना के तहत, विशेष रूप से राजस्थान, पूर्वोत्तर और जनजातीय क्षेत्रों के जीआई-टैग वाले हस्तशिल्पों के लिए, डीएलटीटी ढांचे के माध्यम से वैश्विक प्रीमियम बाजारों तक पहुंच प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): जी,हां। डीएलटीटी का प्राथमिक उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र में क्षेत्रीय भिन्नता का समाधान करके संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना है। वस्त्र और अपैरल निर्यात, उद्यम पोर्टल के तहत पंजीकृत वस्त्र और अपैरल इकाइयों की संख्या और ई-श्रम पोर्टल के तहत पंजीकृत व्यक्तियों की संख्या जैसे तीन संकेतकों का उपयोग करके वैटेड स्कोरिंग मॉडल (0-100) के आधार पर कुल 777 जिलों का मूल्यांकन किया गया। निष्पादन तीन चरणों में किया जाएगा: 1) एक्सपोजर विजिट 2) लक्षित पहलें और 3) मूल्यांकन तथा दस्तावेजीकरण।

(घ): डीएलटीटी के तहत पूर्वोदय कन्वर्जेंस का उद्देश्य देश के पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के जिलों, विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र के राज्यों (बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल) और पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा) को शामिल करते हुए फोकस करना है।

***